Toppersnotes®
Unleash the topper in you

# Rajasthan – CET

## स्नातक स्तर

सामान्य पात्रता परीक्षा (CET)

भाग - 3

**भारत का सामान्य ज्ञान**

SIERRA INNOVATIONS

# विषयसूची


| S No. | Chapter Title | Page No. |
|---|---|---|
| 1 | इतिहास | 1 |
| 2 | गांधी युग और राष्ट्रीय आंदोलन (1919–1940) | 38 |
| 3 | स्वतंत्रता की ओर (1940 – 1947) | 45 |
| 4 | स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र निर्माण | 48 |
| 5 | भारत की भौगोलिक स्थिति | 56 |
| 6 | भारत की संरचना और भू–आकृति | 60 |
| 7 | अपवाह तंत्र | 73 |
| 8 | जलवायु एवं भारतीय मानसून | 82 |
| 9 | मृदा | 87 |
| 10 | फसलें | 91 |
| 11 | भारत में खनिज | 94 |
| 12 | भारत में उद्योग | 96 |
| 13 | भारत में परिवहन | 100 |
| 14 | वन्यजीव सरंक्षण | 105 |
| 15 | भारतीय संविधान का निर्माण | 113 |
| 16 | भारतीय संविधान में डॉ. बी. आर. आंबेडकर की भूमिका | 117 |
| 17 | भारतीय संविधान की विशेषताएँ | 121 |
| 18 | प्रस्तावना | 126 |
| 19 | मूल अधिकार | 128 |
| 20 | नीति निदेशक सिद्धांत | 133 |
| 21 | मौलिक कर्तव्य | 135 |
| 22 | राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति | 136 |
| 23 | प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद | 142 |

# विषयसूची


| S No. | Chapter Title | Page No. |
|---|---|---|
| 24 | संसद | 144 |
| 25 | न्यायपालिका | 151 |
| 26 | संविधान संशोधन | 159 |
| 27 | संवैधानिक एवं गैर–संवैधानिक निकाय | 163 |
| 28 | आपातकालीन प्रावधान | 167 |
| 29 | भारत में आर्थिक नियोजन | 169 |
| 30 | राष्ट्रीय आय | 172 |
| 31 | बजट | 174 |
| 32 | राजकोषीय नीति | 177 |
| 33 | कराधान | 178 |
| 34 | मुद्रा और मुद्रास्फीति | 181 |
| 35 | भारत में बैंकिंग और मौद्रिक नीति | 186 |
| 36 | कृषि क्षेत्र | 191 |
| 37 | उद्योग और सेवा क्षेत्र | 195 |

# 1 CHAPTER इतिहास

## भारतीय इतिहास की समयरेखा

### प्राचीन भारतीय इतिहास :

| काल / वर्ष | घटना |
|---|---|
| 2500–1500 ईसा पूर्व | सिंधु घाटी सभ्यता |
| 1500–1000 ईसा पूर्व | ऋग्वैदिक काल |
| 1000–600 ईसा पूर्व | उत्तर वैदिक काल |
| लगभग 1400 ईसा पूर्व | दस राजाओं का युद्ध (दशराज्ञ युद्ध) |
| 600–323 ईसा पूर्व | महाजनपद काल |
| 563 ईसा पूर्व | गौतम बुद्ध का जन्म |
| 540 ईसा पूर्व | महावीर स्वामी का जन्म |
| 483 ईसा पूर्व | प्रथम बौद्ध संगीति; बुद्ध का महापरिनिर्वाण |
| 468 ईसा पूर्व | महावीर स्वामी का निर्वाण |
| 326 ईसा पूर्व | सिकंदर का भारत पर आक्रमण |
| 326 ईसा पूर्व | हाइडेस्पीज (झेलम) का युद्ध |
| लगभग 300 ईसा पूर्व | प्रथम जैन संगीति |
| 261 ईसा पूर्व | कलिंग युद्ध |
| 183 ईसा पूर्व | प्रथम इंडो-ग्रीक (यवन) आक्रमण |
| 57 ईसा पूर्व | विक्रम (मालव) संवत का प्रारंभ |
| 78 ईस्वी | शक संवत का प्रारंभ |
| 319 ईस्वी | गुप्त संवत का प्रारंभ (चंद्रगुप्त प्रथम) |
| 399 ईस्वी | चीनी यात्री फाह्यान का भारत आगमन |
| 413 ईस्वी | नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना (कुमारगुप्त प्रथम) |
| 570 ईस्वी | पैगंबर मुहम्मद का जन्म (मक्का) |
| 606 ईस्वी | हर्ष संवत का प्रारंभ |
| 618 ईस्वी | रेवाँ (नर्मदा) का युद्ध – पुलकेशिन द्वितीय ने हर्ष को पराजित किया |
| 630 ईस्वी | चीनी यात्री ह्वेनसांग (युआनच्वांग) का भारत आगमन |

### मध्यकालीन भारतीय इतिहास :

| वर्ष (ईस्वी) | घटना |
|---|---|
| 712 | प्रथम अरब आक्रमण (मुहम्मद बिन कासिम) |
| 986 | प्रथम तुर्क आक्रमण |
| 1000 | महमूद गजनवी का प्रथम आक्रमण |
| 1191 | तराइन का प्रथम युद्ध |
| 1192 | तराइन का द्वितीय युद्ध |
| 1192 | ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का भारत आगमन |
| 1194 | चंदावर का युद्ध |
| 1199 | कुतुब मीनार की नींव रखी गई |
| 1206 | दिल्ली सल्तनत में गुलाम (ममलूक) वंश की स्थापना |
| 1281 | चंगेज़ ख़ान का भारत पर आक्रमण |
| 1293 | जलालुद्दीन खिलजी के समय दक्षिण भारत पर पहला मुस्लिम आक्रमण |
| 1333 | मोरक्को के यात्री इब्न बतूता का भारत आगमन |
| 1398 | तैमूर लंग का भारत पर आक्रमण |

| | |
|---|---|
| 1498 | वास्को-डी-गामा का भारत आगमन |
| 1504 | सिकंदर लोदी द्वारा आगरा नगर की स्थापना |
| 1517 | खातोली का युद्ध |
| 1519 | बाबर का प्रथम आक्रमण |
| 1526 | पानीपत का प्रथम युद्ध |
| 1527 | खानवा का युद्ध |
| 1528 | चंदेरी का युद्ध |
| 1529 | घाघरा का युद्ध |
| 1532 | दौहरिया (दौराहरा) का युद्ध |
| 1539 | चौसा का युद्ध |
| 1540 | कन्नौज (बिलग्राम) का युद्ध |
| 1542 | शेरशाह सूरी की आगरा में विजय |
| 1556 | पानीपत का द्वितीय युद्ध |
| 1560 | हरम (पर्दा) प्रशासन की शुरुआत |
| 1563 | अकबर द्वारा सती प्रथा और तीर्थ-कर समाप्त |
| 1570 | मनसबदारी व्यवस्था का प्रारंभ |
| 1575 | फतेहपुर सीकरी में इबादतखाना की स्थापना |
| 1576 | हल्दीघाटी का युद्ध |
| 1580 | दहसाला (ज़ब्त) भू-राजस्व व्यवस्था लागू |
| 1582 | दीन-ए-इलाही की शुरुआत |
| 1600 | ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना |
| 1605 | अकबर की मृत्यु; जहाँगीर का शासनारंभ |
| 1608 | अंग्रेज कप्तान विलियम हॉकिन्स का जहाँगीर दरबार में आगमन |
| 1613 | सूरत में ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थायी स्थापना |
| 1622 | जहाँगीर द्वारा शहज़ादा खुसरो का बुरहानपुर में वध |
| 1627 | छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म |
| 1632 | ताजमहल की नींव रखी गई |
| 1638 | दिल्ली में लाल किले की नींव रखी गई |
| 1658 | बहादुरपुर, धर्मत एवं सामूगढ़ के युद्ध |
| 1665 | पुरंदर की संधि |
| 1668 | जेराल्ड औंगियर द्वारा बंबई नगर की स्थापना |
| 1680 | शिवाजी महाराज की मृत्यु |
| 1699 | खालसा पंथ की स्थापना |
| 1707 | औरंगज़ेब तथा गुरु गोबिंद सिंह की मृत्यु; मुगल साम्राज्य के पतन की शुरुआत |

## **आधुनिक भारतीय इतिहास :**

| वर्ष | घटना |
|---|---|
| 1739 | नादिरशाह का भारत पर आक्रमण |
| 1756 | ब्लैक होल ऑफ कलकत्ता की घटना |
| 1757 | प्लासी का युद्ध |
| 1760 | वांडीवाश का युद्ध – भारत में फ्रांसीसी शक्ति का अंत |
| 1764 | बक्सर का युद्ध |
| 1765 | बंगाल में द्वैध शासन प्रणाली लागू |
| 1773 | रेगुलेटिंग एक्ट पारित; वॉरेन हेस्टिंग्स बंगाल के प्रथम गवर्नर-जनरल नियुक्त |
| 1774 | कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना |
| 1780 | भारत का पहला समाचारपत्र ‘बंगाल गजट’ प्रकाशित |
| 1784 | एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना |
| 1793 | स्थायी बंदोबस्त लागू; चार्टर एक्ट 1793 पारित |
| 1798 | लॉर्ड वेलेजली द्वारा सहायक संधि की शुरुआत |
| 1799 | चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध में टीपू सुल्तान की मृत्यु |
| 1806 | वेल्लोर में प्रथम सैनिक विद्रोह |
| 1809 | अमृतसर की संधि |
| 1816 | नेपाल और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच सुगौली की संधि |
| 1818 | कोरेगांव का युद्ध – मराठों की ब्रिटिशों से पराजय |
| 1820 | हेक्टर मुनरो द्वारा रैयतवाड़ी व्यवस्था लागू |
| 1829 | लॉर्ड विलियम बेंटिंक द्वारा सती प्रथा का उन्मूलन |
| 1833 | लॉर्ड विलियम बेंटिंक भारत के प्रथम गवर्नर-जनरल बने |
| 1835 | मैकॉले की अंग्रेजी शिक्षा संबंधी सिफारिशें लागू |
| 1847 | रुड़की में प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना |
| 1848 | लॉर्ड डलहौजी द्वारा व्यपगत का सिद्धांत लागू |
| 1853 | भारत में रेल सेवाओं की शुरुआत |
| 1854 | चार्ल्स वुड का शिक्षा संबंधी वूड्स डिस्पेच लागू |

| | |
|---|---|
| 1856 | विधवा पुनर्विवाह अधिनियम पारित |
| 1857 | मेरठ से प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का प्रारंभ |
| 1858 | लॉर्ड कैनिंग भारत के प्रथम वायसराय बने; भारत शासन अधिनियम पारित |
| 1860 | आयकर विभाग की स्थापना |
| 1861 | भारतीय दंड संहिता लागू |
| 1862 | कलकत्ता में भारत का प्रथम उच्च न्यायालय स्थापित |
| 1872 | भारत में जनगणना कार्य का प्रारंभ |
| 1878 | वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट लागू |
| 1881 | नियमित जनगणना की शुरुआत |
| 1882 | भारत में स्थानीय स्वशासन की शुरुआत |

## <u>आधुनिक भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ (1885–1950 के दशक तक)</u>

| वर्ष | प्रमुख घटना/घटनाएँ |
|---|---|
| 1885 | ए. ओ. ह्यूम द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना |
| 1895 | गणेश उत्सव (गणपति उत्सव) की शुरुआत (लोकमान्य तिलक द्वारा लोकप्रिय) |
| 1896 | कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार “वंदे मातरम्” गाया गया |
| 1897 | रामकृष्ण मिशन की स्थापना; बेलूर मठ की स्थापना |
| 1903 | आपराधिक अन्वेषण विभाग (CID) की स्थापना |
| 1904 | भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम पारित |
| 1905 | बंगाल विभाजन की घोषणा |
| 1906 | ढाका में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की स्थापना |
| 1907 | सूरत अधिवेशन – कांग्रेस में प्रथम विभाजन |
| 1908 | मुजफ्फरपुर बम कांड; खुदीराम बोस को फाँसी |
| 1909 | मॉर्ले–मिंटो सुधार; मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल |
| 1911 | दिल्ली दरबार में बंगाल विभाजन रद्द; गेटवे ऑफ इंडिया की नींव |
| 1912 | दिल्ली को ब्रिटिश भारत की राजधानी बनाया गया; दिल्ली षड्यंत्र केस |
| 1913 | लाला हरदयाल द्वारा सैन फ्रांसिस्को (अमेरिका) में गदर पार्टी की स्थापना |
| 1914 | कामागाटामारू घटना |
| 1915 | हरिद्वार में मदन मोहन मालवीय द्वारा हिंदू महासभा की स्थापना |
| 1916 | लखनऊ समझौता; तिलक एवं एनी बेसेन्ट द्वारा होम रूल लीग की शुरुआत |
| 1917 | चंपारण सत्याग्रह; सैडलर आयोग (शिक्षा) का गठन |
| 1918 | अहमदाबाद एवं खेड़ा सत्याग्रह; कांग्रेस में दूसरा विभाजन |
| 1919 | मोंटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार; रॉलेट एक्ट; जलियांवाला बाग हत्याकांड |
| 1920 | असहयोग आंदोलन की पृष्ठभूमि; बाल गंगाधर तिलक का निधन |
| 1921 | दिल्ली में इंडिया गेट की नींव; मालाबार में मोपला विद्रोह |
| 1922 | 4 फरवरी – चौरी-चौरा कांड; असहयोग आंदोलन वापस लिया गया |
| 1923 | सी. आर. दास द्वारा स्वराज पार्टी की स्थापना |
| 1924 | हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) की स्थापना |
| 1925 | 9 अगस्त – काकोरी कांड; राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की स्थापना |
| 1926 | भगत सिंह द्वारा पंजाब में नौजवान भारत सभा की स्थापना |
| 1927 | रियासतों पर बटलर समिति का गठन |
| 1928 | साइमन कमीशन का आगमन; लाला लाजपत राय की मृत्यु; नेहरू रिपोर्ट |
| 1929 | लाहौर अधिवेशन – जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में पूर्ण स्वराज की मांग |
| 1930 | सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत; दांडी नमक यात्रा |

Unleash the topper in you

| | |
|---|---|
| 1931 | गांधी–इरविन समझौता; सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित |
| 1931 | 23 मार्च – भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को फाँसी |
| 1932 | कम्यूनल अवार्ड की घोषणा; गांधी–अंबेडकर (पूना) समझौता |
| 1934 | कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना |
| 1935 | भारत शासन अधिनियम 1935; प्रांतीय स्वायत्तता लागू |
| 1936 | अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना |
| 1937 | महात्मा गांधी द्वारा वर्धा शिक्षा योजना प्रस्तावित |
| 1938 | हरिपुरा अधिवेशन – सुभाष चंद्र बोस की अध्यक्षता |

| | |
|---|---|
| 1939 | त्रिपुरी अधिवेशन; सुभाष चंद्र बोस का त्यागपत्र |
| 1940 | अगस्त प्रस्ताव; पाकिस्तान की मांग; व्यक्तिगत सत्याग्रह की शुरुआत |
| 1942 | क्रिप्स मिशन; 8 अगस्त – भारत छोड़ो आंदोलन |
| 1944 | सार्जेंट योजना (शिक्षा); सी. आर. फार्मूला |
| 1945 | वेवेल योजना, शिमला सम्मेलन; संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) की स्थापना |
| 1946 | नौसैनिक विद्रोह; कैबिनेट मिशन योजना |
| 1947 | 3 जून – माउंटबेटन योजना; 15 अगस्त – भारत स्वतंत्र |
| 1948 | ऑपरेशन पोलो द्वारा हैदराबाद का भारत में विलय |
| 1954 | भारत–चीन पंचशील समझौता |

# प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास

## महत्वपूर्ण कालखंड या समयावधि

| **काल** | **प्रमुख घटनाएँ / विशेषताएँ** |
|---|---|
| प्रागैतिहासिक काल (लगभग 3000 ईसा पूर्व – 2500 ईसा पूर्व) | इस काल में मानव का बौद्धिक विकास हुआ।<br>प्रारंभिक मानव पत्थर के औजारों का उपयोग करता था। |
| सिंधु घाटी सभ्यता काल (2600–1900 ईसा पूर्व) | यह विश्व की प्राचीनतम नगरीय सभ्यताओं में से एक है। यह कांस्य-पाषाण (ताम्र-पाषाण) संस्कृति मानी जाती है। |
| वैदिक काल (लगभग 1500 ईसा पूर्व – 600 ईसा पूर्व) | वैदिक संस्कृति का विकास; वेदों की रचना। |
| मौर्य काल (लगभग 321 ईसा पूर्व – 185 ईसा पूर्व) | मौर्य साम्राज्य का उदय; चंद्रगुप्त मौर्य एवं अशोक महान जैसे शासक। |
| गुप्त काल (लगभग 320 ईस्वी – 647 ईस्वी) | गुप्त साम्राज्य का उत्कर्ष; कला, साहित्य, विज्ञान और शिक्षा में उल्लेखनीय प्रगति। |
| हर्षवर्धन काल (लगभग 606 ईस्वी – 647 ईस्वी) | वर्धन वंश का शासन; उत्तर भारत में राजनीतिक एकता का प्रयास। |
| पल्लव काल (लगभग 275 ईस्वी – 897 ईस्वी) | दक्षिण भारत में पल्लव वंश का शासन; कला और स्थापत्य में प्रगति। |
| चालुक्य काल (लगभग 540 ईस्वी – 753 ईस्वी) | दक्षिण भारत में शक्तिशाली चालुक्य साम्राज्य का उदय। |
| राष्ट्रकूट काल (लगभग 753 ईस्वी – 973 ईस्वी) | दक्षिण भारत में राष्ट्रकूट वंश का शासन; दो शताब्दियों से अधिक समय तक प्रभावी साम्राज्य। |
| गुर्जर–प्रतिहार काल (लगभग 550 ईस्वी – 800 ईस्वी) | उत्तर भारत में शक्तिशाली गुर्जर–प्रतिहार राज्य की स्थापना। |
| पाल काल (लगभग 750 ईस्वी – 1174 ईस्वी) | पूर्वोत्तर भारत में पाल वंश का शासन; बौद्ध धर्म का संरक्षण। |
| सोमवंशी काल (लगभग 900 ईस्वी – 1200 ईस्वी) | मध्य भारत में सोमवंशी वंश का प्रभावशाली शासन। |

| | |
|---|---|
| चौहान काल (लगभग 900 ईस्वी – 1200 ईस्वी) | उत्तर भारत में चौहान वंश का शक्तिशाली राज्य। |
| चंदेल काल (लगभग 950 ईस्वी – 1100 ईस्वी) | खजुराहो के चंदेल शासक; भव्य खजुराहो मंदिरों का निर्माण, भारतीय स्थापत्य के उत्कृष्ट उदाहरण। |
| विजयनगर काल (लगभग 1336 ईस्वी – 1565 ईस्वी) | दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य का उदय; शक्तिशाली राज्य का विकास। |
| मुगल काल (लगभग 1526 ईस्वी – 1857 ईस्वी) | भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना; विशाल एवं प्रभावशाली साम्राज्य का विस्तार। |

## हड़प्पा सभ्यता से संबंधित प्रमुख स्थल

| **स्थल** | **नदी** | **खोजकर्ता / वर्ष** | **स्थल से प्राप्त प्रमुख पुरावस्तुएँ** |
|---|---|---|---|
| **हड़प्पा (पंजाब, पाकिस्तान)** | रावी | दयाराम साहनी (1921), जॉन मार्शल के निर्देशन में | 16 भट्टियाँ; धोती पहने पुरुष की मूर्ति; दो पंक्तियों में 6-6 अन्नागार; मातृदेवी मूर्तियाँ; कब्रिस्तान R-37; मछुआरे के चित्रण वाला पात्र; पत्थर की नटराज आकृति |
| **मोहनजोदड़ो (सिंध, पाकिस्तान)** | सिंधु | आर. डी. बनर्जी (1922), जॉन मार्शल के निर्देशन में | मृतकों का टीला; विशाल अन्नागार; महान स्नानागार; पशुपति मुहर; पक्के स्नानघर; कांस्य नर्तकी; पुरोहित-राजा की मूर्ति (स्टियाटाइट); दुर्ग एवं निचला नगर; लगभग 700 कुएँ; दाह संस्कार के बाद दफन |
| **सुत्कागेंडोर (बलूचिस्तान, पाकिस्तान)** | दश्त | ऑरेल स्टीन (1927) | राख से भरा पात्र; तांबे की कुल्हाड़ी; मेसोपोटामिया व्यापार हेतु बंदरगाह; मिट्टी की चूड़ियाँ |
| **चन्हुदड़ो (सिंध, पाकिस्तान)** | सिंधु | एम. जी. मजूमदार (1931) | शिल्प केंद्र: मनका निर्माण, शंख कटाई, मुहर व बाट निर्माण; कुत्ते के पंजे का चिन्ह; टेराकोटा बैलगाड़ी; कांस्य खिलौना गाड़ी |
| **कालीबंगा (राजस्थान)** | दृषद्वती (घग्गर/सरस्वती) | अमलानंद घोष (1953); बी. बी. लाल (1960 के दशक) | चूड़ी कारखाना; जूते हुए खेत; अग्निकुंड; गेहूँ-जौ की फसल के चिन्ह; पक्की ईंट की नालियाँ; तांबे के अवशेष; भूकंप के साक्ष्य; टेराकोटा हल |
| **रोपड़ (रूपनगर, पंजाब)** | सतलुज | वाई. डी. शर्मा (1953) | स्वतंत्रता के बाद पहली खुदाई; कुत्ते-मानव संयुक्त दफन; तांबे की कुल्हाड़ी; शंख की चूड़ियाँ |
| **लोथल (गुजरात)** | भोगवा–साबरमती संगम | एस. आर. राव (1954–63) | गोदीवाड़ा (बंदरगाह); चावल के भूसे के अवशेष; कृषि; मेसोपोटामिया से व्यापार; युगल समाधि; मनका निर्माण; हाथी-दाँत की स्केल; नाव के मॉडल; अग्निकुंड; कार्नेलियन पत्थर |
| **आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश)** | हिंडन (यमुना की सहायक) | वाई. डी. शर्मा (1958) | हड़प्पा संस्कृति का पूर्वतम स्थल; तांबे की छुरी; कपड़े की छाप; आटा बेलने का तख्ता |
| **धौलावीरा (गुजरात, कच्छ)** | मानहर व मंसार (लूणी बेसिन) | जे. पी. जोशी (1967); आर. एस. बिष्ट (1990–2005) | यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (2021); पत्थर के जलाशय; अभिलेखित साइनबोर्ड; खगोलीय वेधशाला; तीन भागों में विभाजित नगर योजना; पत्थर की नेवले की मूर्ति |

| | | | |
|---|---|---|---|
| **राखीगढ़ी (हरियाणा)** | घग्घर | अमरेंद्र नाथ (1997); बाद में सुरज भान व वसंत शिंदे | सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल; प्रारंभिक, परिपक्व व उत्तर चरण; नियोजित नगर; कूदने का खेल (हॉपस्कॉच); मंच पर अग्निकुंड |
| **बनावली (हरियाणा)** | रंगोई | आर. एस. बिष्ट (1974–77) | प्रारंभिक व उत्तर हड़प्पा चरण; जौ के दाने; लैपिस लाजुली; अग्निकुंड; टेराकोटा हल; हड़प्पाई स्थापत्य के प्रमाण; मिट्टी के पहिए की प्रतिकृति |
| **शोर्तुगई (अफगानिस्तान)** | ऑक्सस (अमू दरिया) | फ्रांसीसी पुरातात्विक मिशन (1970 का दशक, हेनरी-पॉल फ्रैंकफोर्ट) | उत्तरतम हड़प्पा स्थल; लैपिस लाजुली व्यापार; कार्नेलियन व फ़िरोज़ा मनके; भंडारण पात्र |
| **कोट दीजी (पाकिस्तान)** | सिंधु | एफ. ए. खान (1953) | पूर्व-हड़प्पा संस्कृति के साक्ष्य |
| **मांडा (जम्मू-कश्मीर)** | चिनाब | जे. पी. जोशी (1982) | मिट्टी के बर्तन |
| **रंगपुर (गुजरात)** | मदार | एस. आर. राव (1953) | चावल की खेती के प्रमाण |
| **सुरकोटड़ा (गुजरात)** | सरस्वती | 1964 | घोड़े की हड्डियों के प्रमाण |

## महत्वपूर्ण तथ्य:

- हड़प्पा के पुरातात्विक साक्ष्य पहली बार 1921 में दयाराम साहनी द्वारा सर जॉन मार्शल के निर्देशन में खोजे गए।
- लोथल को सिंधु घाटी सभ्यता की वाणिज्यिक (बंदरगाह) राजधानी माना जाता है।
- सिंधु सभ्यता के लोग लोहे से परिचित नहीं थे; वे मुख्यतः तांबा और कांस्य का उपयोग करते थे।
- यह एक अत्यंत विकसित नगरीय सभ्यता थी जिसकी विशेषता सुनियोजित नगर योजना एवं विकसित जल-निकास प्रणाली थी।
- चन्हुदड़ो से ग्रामीण बस्ती के साक्ष्य प्राप्त होते हैं।
- सिंधु लिपि चित्रात्मक प्रकृति की थी और आज तक अपठित (अव्याख्येय) है अर्थात् इसे अभी तक पढ़ा नहीं गया है।
- मोहनजोदड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल माना जाता है।
- राखीगढ़ी भारत में स्थित सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है।
- रोपड़ से नवपाषाण, ताम्रपाषाण एवं सिंधु सभ्यता के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।
- सिन्धु घाटी सभ्यता का विस्तार:
  - ✓ उत्तर में – **मांडा (जम्मू)**, चेनाब नदी के तट पर।
  - ✓ दक्षिण में – **दैमाबाद (महाराष्ट्र)**, गोदावरी नदी के तट पर।
  - ✓ पूर्व में – **आलमगीरपुर (उत्तर प्रदेश)**, हिंडन नदी के तट पर।
  - ✓ पश्चिम में – **सुत्कागेंडोर (पाकिस्तान)**, दश्त नदी के तट पर।

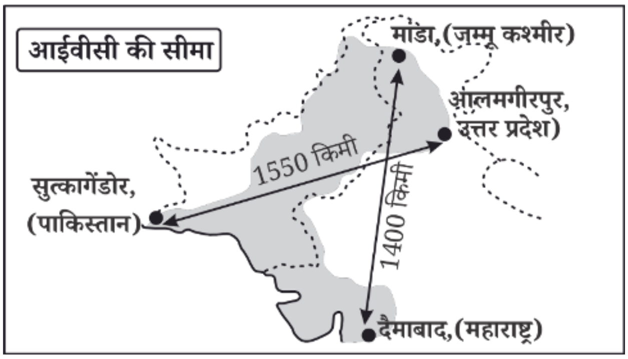

## प्रमुख संस्कृत सूक्तियाँ / उक्तियाँ एवं उनके स्रोत:

| क्रम सं. | सूक्ति | मूल संस्कृत | स्रोत ग्रंथ |
|---|---|---|---|
| 1 | सत्य ही विजयी होता है | सत्यमेव जयते | मुण्डकोपनिषद |
| 2 | गायत्री मंत्र | ॐ भूर्भुवः स्वः... | ऋग्वेद (तृतीय मंडल) |
| 3 | अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो | तमसो मा ज्योतिर्गमय | बृहदारण्यक उपनिषद |
| 4 | यम और नचिकेता का संवाद | यम–नचिकेता संवाद | कठोपनिषद |
| 5 | सभी सुखी हों | सर्वे भवन्तु सुखिनः | बृहदारण्यक उपनिषद |
| 6 | समस्त विश्व एक परिवार है | वसुधैव कुटुम्बकम् | महा उपनिषद |
| 7 | अतिथि देव के समान है | अतिथि देवो भव | तैत्तिरीय ब्राह्मण |
| 8 | मैं ही ब्रह्म हूँ | अहं ब्रह्मास्मि | बृहदारण्यक उपनिषद |

## महत्वपूर्ण वैदिक साहित्य

| वेद | उपवेद | ब्राह्मण | आरण्यक | उपनिषद | विवरण |
|---|---|---|---|---|---|
| **ऋग्वेद** | आयुर्वेद | ऐतरेय ब्राह्मण, कौषीतकि ब्राह्मण | ऐतरेय आरण्यक, कौषीतकि आरण्यक | ऐतरेय उपनिषद, कौषीतकि उपनिषद | ➢ पुरोहित: होतृ (मुख्य याजक)<br>➢ 1,028 सूक्त एवं 10,462 मंत्र (ऋचाएँ)<br>➢ 10 मंडलों में विभाजित<br>✓ प्राचीनतम: 2 से 7 मंडल<br>✓ नवीनतम: 10वाँ मंडल<br>➢ गायत्री मंत्र – तृतीय मंडल<br>➢ चतुर्थ मंडल – कृषि संदर्भ<br>➢ नवम मंडल – सोम<br>➢ दशराज्ञ युद्ध का उल्लेख<br>➢ वैदिक संस्कृत में रचित<br>➢ अग्नि, इंद्र, वरुण, सोम आदि देवताओं को समर्पित |
| **सामवेद** | गंधर्ववेद | तैत्तिरीय ब्राह्मण, ताण्ड्य ब्राह्मण | जैमिनीय आरण्यक, छांदोग्य आरण्यक | छांदोग्य उपनिषद, केन उपनिषद | ➢ पुरोहित: उद्गाता (गायक याजक)<br>➢ संगीतात्मक स्वर-चिह्नों हेतु प्रसिद्ध<br>➢ ऋग्वेद के मंत्रों पर आधारित साम (धुनें)<br>➢ यज्ञों में प्रयुक्त<br>➢ 1,875 मंत्र (अधिकांश ऋग्वेद से)<br>➢ यज्ञों का केंद्रीय वेद |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **यजुर्वेद** | धनुर्वेद | शतपथ ब्राह्मण, तैत्तिरीय ब्राह्मण | बृहदारण्यक आरण्यक | ईश उपनिषद, बृहदारण्यक उपनिषद | ➢ पुरोहित: अध्वर्यु (कर्मकाण्डी याजक)<br>➢ प्रार्थना एवं अनुष्ठानों का वेद<br>➢ गद्य मंत्रों एवं यज्ञ विधियों पर केंद्रित<br>➢ दो भाग: शुक्ल यजुर्वेद (गद्य) एवं कृष्ण यजुर्वेद (पद्य)<br>➢ यज्ञ कर्म के लिए अनिवार्य |
| **अथर्ववेद** | शिल्पवेद | गोपथ ब्राह्मण | — | मुण्डक उपनिषद, माण्डूक्य उपनिषद | ➢ पुरोहित: ब्रह्मा (याजक)<br>➢ जादू-टोना एवं तंत्र-मंत्र का वेद<br>➢ अनुष्ठान, मंत्र एवं उपचार से संबंधित<br>➢ दैनिक जीवन हेतु मंत्र, स्तोत्र एवं प्रार्थनाएँ<br>➢ आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों पक्षों से संबंधित |

## <u>महत्वपूर्ण तथ्य:</u>

- ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद को सामूहिक रूप से **त्रयी वेद** कहा जाता है।
- वेदों के संकलन का श्रेय परंपरागत रूप से **महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास** को दिया जाता है।
- यजुर्वेद दो भागों में विभाजित है:
  - ✓ **कृष्ण यजुर्वेद** (मुख्यतः गद्य रूप में)
  - ✓ **शुक्ल यजुर्वेद** (मुख्यतः पद्य/छंद रूप में)
- वेदांगों का अध्ययन करने वाले विद्वान को **उपाध्याय** कहा जाता है। वेदांगों की संख्या छह है:
  - ✓ शिक्षा, छंद, व्याकरण, ज्योतिष, कल्प, निरुक्त।
- पुराणों की रचना का श्रेय परंपरागत रूप से **ऋषि लोमहर्ष** तथा उनके पुत्र **उग्रश्रवा (सूत)** को दिया जाता है।
- जो ग्रंथ वन में निवास करते हुए रचे या अध्ययन किए गए, उन्हें **आरण्यक** कहा जाता है।
- ऋग्वैदिक देवताओं को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है:
  - ✓ **पार्थिव (स्थलीय) देवता** – सोम, अग्नि, बृहस्पति
  - ✓ **अंतरिक्षीय (वायुमंडलीय) देवता** – इंद्र, वायु
  - ✓ **दैविक (आकाशीय) देवता** – सूर्य, वरुण

## <u>महाजनपद (600 ईसा पूर्व – 323 ईसा पूर्व)</u>

| **क्रम सं.** | **महाजनपद (आधुनिक क्षेत्र)** | **राजधानी** | **नदी** | **प्रमुख तथ्य** |
|---|---|---|---|---|
| 1 | काशी (वाराणसी, उत्तर प्रदेश) | वाराणसी | गंगा | ➢ शासक: ब्रह्मदत्त<br>➢ धार्मिक एवं व्यापारिक केंद्र; बाद में कोसल में विलय<br>➢ सूती वस्त्र एवं घोड़ा बाजार हेतु प्रसिद्ध। |
| 2 | कोसल (अयोध्या, उत्तर प्रदेश) | श्रावस्ती | सरयू | ➢ प्रमुख शासक: प्रसेनजित; बुद्ध के समकालीन एवं मित्र। |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 3 | अंग (पूर्वी बिहार) | चंपा | चंपा | ➢ व्यापारिक केंद्र<br>➢ 6वीं शताब्दी ई.पू. में मगध द्वारा अधिग्रहित<br>➢ सुवर्णभूमि से समुद्री व्यापार। |
| 4 | वज्जि (उत्तर बिहार) | वैशाली | गंडक | ➢ शासक: चेटक<br>➢ लिच्छवि एवं ज्ञात्रिक गणों का संघ<br>➢ विदेह प्रमुख कुल। |
| 5 | मल्ल (उत्तर प्रदेश) | कुशीनगर / पावा | गंडक, राप्ती | ➢ कुशीनगर में बुद्ध का महापरिनिर्वाण; बाद में मगध में विलय। |
| 6 | चेदि (छत्तीसगढ़ / बुंदेलखंड) | सुक्तिमती | केन | ➢ पूर्वी बुंदेलखंड क्षेत्र<br>➢ एक शाखा ने कलिंग में एक वंश की स्थापना की<br>➢ राजा शिशुपाल द्वारा शासन (महाभारत में उल्लेख)। |
| 7 | वत्स (इलाहाबाद क्षेत्र, उत्तर प्रदेश) | कौशांबी | यमुना | ➢ शासक: शतनिक, उदयन<br>➢ शक्तिशाली राज्य<br>➢ सूती वस्त्रों हेतु प्रसिद्ध; राजतंत्र। |
| 8 | कुरु (दिल्ली क्षेत्र) | इंद्रप्रस्थ / हस्तिनापुर | यमुना | ➢ शासक: परीक्षित, जनमेजय<br>➢ महाभारत का ऐतिहासिक केंद्र<br>➢ बुद्धकाल में कोरयव्य नामक मुखिया। |
| 9 | पांचाल (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) | अहिच्छत्र एवं कांपिल्य | गंगा, रामगंगा | ➢ शासक: प्रवाहण जैबाली।<br>➢ क्षेत्र: रोहिलखंड तथा मध्य दोआब के कुछ भाग।<br>➢ उत्तर पांचाल (अहिच्छत्र) एवं दक्षिण पांचाल (कंपिल्य) में विभाजित कन्नौज सम्मिलित। |
| 10 | मत्स्य (राजस्थान – जयपुर, अलवर, भरतपुर) | विराटनगर | सरस्वती, चंबल | ➢ राजस्थान में स्थित।<br>➢ राजा सुजात ने मत्स्य एवं चेदि दोनों पर शासन किया।<br>➢ महाभारत के अनुसार राजा विराट द्वारा शासित। |
| 11 | शूरसेन (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) | मथुरा | यमुना | ➢ शासक: अवंतिपुत्र<br>➢ गणतंत्रीय शासन व्यवस्था<br>➢ अवंतिपुत्र बुद्ध के शिष्य थे; मथुरा कृष्ण की भूमि के रूप में भी प्रसिद्ध। |
| 12 | अश्मक (महाराष्ट्र) | पोटन / पोटली | गोदावरी | ➢ दक्षिणतम महाजनपद<br>➢ इक्ष्वाकु क्षत्रियों द्वारा शासित।<br>➢ विंध्य के दक्षिण में स्थित एकमात्र व्यापारिक महाजनपद। |
| 13 | अवंति (मध्य प्रदेश) | महिष्मती / उज्जैन | क्षिप्रा | ➢ दो भागों में विभाजित: उत्तरी अवंति (उज्जैन) एवं दक्षिणी अवंति (महिष्मती)।<br>➢ राजा प्रद्योत द्वारा शासित<br>➢ प्रमुख बौद्ध केंद्र। |

Unleash the topper in you

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 14 | गांधार (उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान) | तक्षशिला | सिंधु, काबुल | ➢ शासक: पुष्करसारिन।<br>➢ शिक्षा एवं विद्या का प्रमुख केंद्र; पाणिनि (व्याकरणाचार्य) एवं कौटिल्य (चाणक्य) से संबंधित।<br>➢ व्यापार और शिक्षा के लिए प्रसिद्ध; बाद में फारस के डेरियस प्रथम द्वारा विजित। |
| 15 | कम्बोज (उत्तर-पश्चिम, राजपुरा क्षेत्र) | राजपुरा | काबुल, कुर्रम | ➢ कौटिल्य के अर्थशास्त्र एवं अशोक के शिलालेख XIII में उल्लेखित।<br>➢ गणतंत्रीय शासन व्यवस्था का पालन।<br>➢ उत्तर-पश्चिमी सीमा पर स्थित; श्रेष्ठ घोड़ों एवं घुड़सवार सेना के लिए प्रसिद्ध। |
| 16 | मगध (दक्षिण बिहार) | गिरिव्रज (राजगृह) | गंगा, सोन | ➢ साम्राज्यवाद की नीति का प्रारंभ किया।<br>➢ प्रारंभिक शासक: जरासंध एवं बृहद्रथ।<br>➢ वास्तविक संस्थापक: बिंबिसार एवं अजातशत्रु।<br>➢ हर्यक वंश द्वारा शासित; आगे चलकर साम्राज्य विस्तार का केंद्र बना। |

## बौद्ध धर्म

- ➢ संस्थापक: गौतम बुद्ध
- ➢ जन्म: 563 ईसा पूर्व (लुंबिनी, कपिलवस्तु – वर्तमान नेपाल)
- ➢ कुल: शाक्य कुल
- ➢ पिता: शुद्धोधन
- ➢ माता: माया / महामाया देवी
- ➢ पालन-पोषण: महाप्रजापती गौतमी द्वारा
- ➢ पत्नी: यशोधरा (भद्दकच्चाना / गोपा)
- ➢ पुत्र: राहुल
- ➢ अश्व: कंथक
- ➢ सारथि: छन्ना
- ➢ चार दृश्य (चतुर्दर्शन): वृद्ध व्यक्ति, रोगी व्यक्ति, मृत व्यक्ति तथा संन्यासी
- ➢ महाभिनिष्क्रमण (महात्याग): 29 वर्ष की आयु में
- ➢ गुरु: आलार कालाम (वैशाली) एवं उद्दक रामपुत्त (राजगृह)
- ➢ निर्वाण (ज्ञान प्राप्ति): 35 वर्ष की आयु में
  - ✓ बोधगया (बिहार) में निरंजना/फल्गु नदी के तट पर पीपल (बोधि) वृक्ष के नीचे 49 दिन की तपस्या के बाद
- ➢ धर्मचक्र प्रवर्तन: प्रथम उपदेश, मृगदाव (सारनाथ, वाराणसी के निकट) में
  - ✓ प्रथम पाँच शिष्यों को उपदेश दिया
- ➢ महापरिनिर्वाण: 483 ईसा पूर्व 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में
- ➢ अन्य नाम: सिद्धार्थ, बुद्ध, तथागत, शाक्यमुनि
- ➢ प्रमुख शिष्य: आनंद, सारिपुत्र, महामोग्गलान, महाकच्चायन

### बौद्ध धर्म में विभिन्न प्रतीक

| घटना | प्रतीक |
|---|---|
| जन्म | हाथी एवं कमल |
| महाभिनिष्क्रमण (संन्यास) | घोड़ा |
| ज्ञान प्राप्ति (निर्वाण) | पीपल (बोधि) वृक्ष |
| प्रथम उपदेश (धर्मचक्र प्रवर्तन) | अष्टांग चक्र (8 तीलियाँ) |
| मृत्यु (महापरिनिर्वाण) | स्तूप |

Toppers Notes Unleash the topper in you

## प्रमुख बौद्ध संगीतियां

| संगीति | स्थान | राजा एवं अध्यक्ष | प्रमुख परिणाम |
|---|---|---|---|
| **प्रथम संगीति (483 ईसा पूर्व)** | राजगृह (सप्तपर्णी गुफा) | ➢ राजा: अजातशत्रु (हर्यक वंश)<br>➢ अध्यक्ष: महाकश्यप | ➢ बुद्ध के उपदेशों का 'त्रिपिटक' के रूप में संकलन |
| **द्वितीय संगीति (383 ईसा पूर्व)** | वैशाली | ➢ राजा: कालाशोक (शिशुनाग वंश)<br>➢ अध्यक्ष: सब्बकामीर | ➢ संघ के आचार-विचार को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ, जिसके परिणामस्वरूप बौद्ध धर्म दो शाखाओं में विभाजित हुआ:<br>✓ **स्थविरवाद (थेरवाद)** – महाकच्चायन के नेतृत्व में।<br>✓ **महासांघिक** – महाकश्यप के नेतृत्व में। |
| **तृतीय संगीति (250 ईसा पूर्व)** | पाटलिपुत्र | ➢ राजा: अशोक<br>➢ अध्यक्ष: मोग्गलिपुत्ततिस्स | ➢ अभिधम्म पिटक में 'कथावत्थु' का समावेशन<br>➢ बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु विदेशों (विशेषकर श्रीलंका आदि) में मिशन भेजे गए। |
| **चतुर्थ संगीति (72 ईस्वी)** | कुंडलवन (कश्मीर) | ➢ राजा: कनिष्क<br>➢ अध्यक्ष: वसुमित्र (सर्वास्तिवाद)<br>➢ उपाध्यक्ष: अश्वघोष | ➢ पिटकों पर टीकाओं (भाष्यों) का संकलन किया गया।<br>➢ **महाविभाषा** ग्रंथ की रचना की गई।<br>➢ बौद्ध धर्म का स्पष्ट रूप से **महायान** एवं **हीनयान** में विभाजन हुआ। |

## बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांत

| श्रेणी | प्रमुख अवधारणाएँ |
|---|---|
| **चार आर्य सत्य** | दुःख; दुःख का कारण (तृष्णा); दुःख निरोध; दुःख निरोध का मार्ग (अष्टांगिक मार्ग) |
| **अष्टांगिक मार्ग** | सम्यक दृष्टि; सम्यक संकल्प; सम्यक वाणी; सम्यक कर्म; सम्यक आजीविका; सम्यक प्रयास; सम्यक स्मृति; सम्यक समाधि |
| **त्रिलक्षण (अस्तित्व के तीन लक्षण)** | अनित्य (अनिका); दुःख (दुक्ख); अनात्म (अनत्ता) |
| **पंच स्कंध** | रूप; वेदना; संज्ञा; संस्कार; विज्ञान |
| **त्रिरत्न** | बुद्ध; धम्म (धर्म); संघ |
| **त्रिकाय** | धर्मकाय; संभोगकाय; निर्माणकाय |

## जैन धर्म

- **तीर्थंकर / जिन**: वह महापुरुष जो कठोर तपस्या द्वारा **कैवल्य ज्ञान (सर्वज्ञता)** प्राप्त करता है और लोक के लिए मार्गदर्शक बनता है।
- कुल तीर्थंकर: 24 (सभी क्षत्रिय कुल से)
- **24वें एवं अंतिम तीर्थंकर: महावीर स्वामी (निगंठ नातपुत्त)**
  - ✓ जन्म: 599 ईसा पूर्व, कुंडग्राम (वैशाली, बिहार)
  - ✓ कुल: ज्ञात्रिक (या ज्ञातृ) कुल
  - ✓ पिता: सिद्धार्थ
  - ✓ माता: त्रिशला (वैशाली के लिच्छवि राजकुमार चेटक की बहन)
  - ✓ पत्नी: यशोदा
  - ✓ पुत्री: प्रियदर्शना
  - ✓ दामाद: जामाली (प्रथम शिष्य)
  - ✓ संन्यास: 30 वर्ष की आयु में
  - ✓ कैवल्य ज्ञान (ज्ञान प्राप्ति): 42 वर्ष की आयु में
  - ✓ स्थान: जृंभिकग्राम (बिहार) में ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे
  - ✓ निर्वाण: 527 ईसा पूर्व, पावापुरी में, 72 वर्ष की आयु में
    - मल्लों एवं लिच्छवियों द्वारा दीपोत्सव के रूप में मनाया गया।

Unleash the topper in you

## प्रमुख जैन तीर्थंकर

| तीर्थंकर | प्रतीक | जन्मस्थान | निर्वाण स्थल | विवरण |
|---|---|---|---|---|
| ऋषभनाथ (आदिनाथ) | बैल | अयोध्या (कोसल) | कैलाश पर्वत | ➢ प्रथम तीर्थंकर<br>➢ ऋग्वेद में उल्लेखित<br>➢ विष्णु पुराण के अनुसार विष्णु का एक अवतार |
| अजितनाथ | हाथी | अयोध्या | सम्मेद शिखर (पारसनाथ पहाड़, झारखंड) | ➢ द्वितीय तीर्थंकर |
| सम्भवनाथ | घोड़ा | श्रावस्ती | सम्मेद शिखर | ➢ तृतीय तीर्थंकर |
| मल्लिनाथ | कलश (जलपात्र) | मिथिला (बिहार) | सम्मेद शिखर | ➢ उन्नीसवें तीर्थंकर |
| नेमिनाथ (अरिष्टनेमि) | शंख | सौरिपुर (बटेश्वर के निकट, उत्तर प्रदेश) | गिरनार पर्वत (गुजरात) | ➢ बाइसवें तीर्थंकर |
| पार्श्वनाथ | सर्प | वाराणसी | सम्मेद शिखर | ➢ तेइसवें तीर्थंकर<br>➢ पिता: अश्वसेन<br>➢ चार महाव्रतों के प्रवर्तक |
| महावीर (वर्धमान) | सिंह | कुंडग्राम (वैशाली, बिहार) | पावापुरी (बिहार) | ➢ चौबीसवें एवं अंतिम तीर्थंकर |

## जैन धर्म के प्रमुख सिद्धांत

| सिद्धांत / अवधारणा | विवरण |
|---|---|
| **पाँच महाव्रत (पंच महाव्रत)** | 1. **अहिंसा:** किसी भी जीव के साथ हिंसा न करना<br>2. **सत्य:** सत्य बोलना<br>3. **अस्तेय:** चोरी न करना<br>4. **अपरिग्रह:** संग्रह न करना / अधिक वस्तुओं का त्याग<br>5. **ब्रह्मचर्य:** इन्द्रिय संयम / शुद्ध आचरण |
| **त्रिरत्न (तीन रत्न)** | 1. **सम्यक ज्ञान** – सही ज्ञान<br>2. **सम्यक दर्शन** – सही दृष्टि / सम्यक आस्था<br>3. **सम्यक चरित्र** – सही आचरण |
| **सल्लेखना / संथारा** | जीवन के अंतिम चरण में आध्यात्मिक शुद्धि के लिए स्वेच्छा से उपवास द्वारा देह त्याग करना। |
| **पुद्गल (द्रव्य / कर्मकण)** | प्रत्येक जीव में कर्मरूपी सूक्ष्म पुद्गल कण होते हैं जो आत्मा की **लेश्या** (रंग / मानसिक अवस्था) को प्रभावित करते हैं; श्वेत लेश्या अच्छे चरित्र का प्रतीक है, जबकि कृष्ण लेश्या बुरे चरित्र का प्रतीक है। |
| **स्याद्वाद (सापेक्ष कथन का सिद्धांत)** | प्रत्येक वस्तु या सत्य को अनेक दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है; इसके सात संभावित सापेक्ष कथन होते हैं, जिन्हें **सप्तभंगी नय** कहा जाता है। |

Toppersnotes
Unleash the topper in you

## जैन धर्म से संबंधित संगीतियाँ

| सभा | स्थान | अध्यक्षता | प्रमुख योगदान |
|---|---|---|---|
| **प्रथम जैन संगीति** (300 ईसा पूर्व) | पाटलिपुत्र (वर्तमान पटना) | स्थूलभद्र | ➢ 12 अंगों (आगमिक ग्रंथों) का संकलन।<br>➢ जैन धर्म का श्वेताम्बर और दिगम्बर संप्रदायों में विभाजन। |
| **द्वितीय जैन संगीति** (512 ईस्वी) | वल्लभी (गुजरात) | देवर्धि क्षमाश्रमण | ➢ आगम ग्रंथों का अंतिम संकलन एवं लिपिबद्ध किया जाना।<br>➢ 12 उपांगों का समावेश।<br>➢ महावीर और उनके शिष्यों की शिक्षाओं का संरक्षण। |

## महत्वपूर्ण अभिलेख एवं स्तूप

| अभिलेख / स्तूप | स्थान | शासक / वंश | विशेष / उल्लेखनीय जानकारी |
|---|---|---|---|
| **मास्की अभिलेख** | रायचूर, कर्नाटक | अशोक | इसमें अशोक का नाम स्पष्ट रूप से "देवानामप्रिय" (देवताओं का प्रिय) उपाधि के साथ उल्लेखित है। |
| **गुर्जरा अभिलेख** | दतिया, मध्य प्रदेश | अशोक | इसमें अशोक के नाम का उल्लेख मिलता है। |
| **एरण अभिलेख** | सागर, मध्य प्रदेश | भानुगुप्त | इससे सती प्रथा तथा भारत में हूण आक्रमणों की जानकारी मिलती है। |
| **लुम्बिनी / रुम्मिनदेई अभिलेख** | लुम्बिनी, नेपाल | अशोक | इसमें उल्लेख है कि अशोक ने लुम्बिनी को कर से मुक्त किया। |
| **दशपुर अभिलेख** | मंदसौर, मध्य प्रदेश | यशोवर्मन | विश्व के प्रथम रेशम विज्ञापन का उल्लेख; सूर्य मंदिर का निर्माण; विक्रम संवत की तिथि का उल्लेख। वत्सभट्टी द्वारा रचित। |
| **सांची अभिलेख** | रायसेन, मध्य प्रदेश | अशोक | उल्लेख है कि बौद्ध उपासक सन्नसिद्ध की पत्नी हरिस्वामिनी ने काकनम (सांची) के आर्यसंघ को दान दिया। |
| **तुमेन अभिलेख** | अशोकनगर, मध्य प्रदेश | कुमारगुप्त प्रथम | कुमारगुप्त प्रथम के शासन की जानकारी; उन्हें "शरद ऋतु के सूर्य के समान" बताया गया है। |
| **सुपिया अभिलेख** | रीवा, मध्य प्रदेश | घटोत्कच | गुप्त वंश की वंशावली की जानकारी देता है। |
| **हाथीगुम्फा अभिलेख** | भुवनेश्वर, ओडिशा | खारवेल | भारत का तिथिहीन (अदिनांकित) अभिलेख। |
| **गिरनार अभिलेख** | जूनागढ़, गुजरात | रुद्रदामन | भारत का संस्कृत भाषा का प्रथम अभिलेख। |
| **भितरी अभिलेख** | उत्तर प्रदेश | स्कंदगुप्त | भारत में हूण आक्रमणों की जानकारी देता है। |
| **प्रयाग प्रशस्ति** | प्रयाग (इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश | समुद्रगुप्त | समुद्रगुप्त की सैन्य विजयों का वर्णन। |

Toppersnotes
Unleash the topper in you

| | | | |
|---|---|---|---|
| **ऐहोल अभिलेख** | ऐहोल, कर्नाटक | पुलकेशिन द्वितीय | इसमें उल्लिखित है कि पुलकेशिन द्वितीय ने राजा हर्ष को पराजित किया। |
| **देवपाड़ा अभिलेख** | देवपाड़ा, पश्चिम बंगाल | विजयसेन | संकट के समय खाद्य सुरक्षा की जानकारी देता है। |
| **सोहगौरा अभिलेख** | गोरखपुर, उत्तर प्रदेश | अशोक | अशोक के समय का मौर्यकालीन अभिलेख। |
| **रूपनाथ अभिलेख** | कटनी, मध्य प्रदेश | – | – |
| **केसरिया स्तूप** | बिहार | – | भारत का सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप |
| **सांची स्तूप** | रायसेन, मध्य प्रदेश | अशोक | भारत की सबसे प्राचीन पत्थर संरचनाओं में से एक; 1818 में जनरल टेलर द्वारा खोजा गया; **1989 में** यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल घोषित। |
| **भरहुत स्तूप** | सतना, मध्य प्रदेश | शुंग वंश | शुंग काल में तोरण द्वार सहित विकसित; इसकी खोज 1873 में अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा की गई। |
| **बोरोबुदुर स्तूप** | जावा, इंडोनेशिया | – | यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल |

## महत्वपूर्ण संवत् / कालगणनाएँ

| **संवत् / कालगणना** | **प्रारम्भ वर्ष** | **शासक / संबंधित तथ्य** |
|---|---|---|
| **विक्रम / मालवा संवत्** | 57 ईसा पूर्व | उज्जैन के राजा विक्रमादित्य |
| **शक संवत्** | 78 ईस्वी | कुषाण राजा कनिष्क |
| **कलचुरी संवत्** | 248 ईस्वी | आभीर राजा ईश्वरसेन |
| **गुप्त संवत्** | 319 ईस्वी | चन्द्रगुप्त प्रथम |
| **हर्ष संवत्** | 606 ईस्वी | कन्नौज के राजा हर्षवर्धन |
| **हिजरी / इस्लामी संवत्** | 622 ईस्वी | पैगंबर मुहम्मद द्वारा प्रारम्भ |
| **कोल्लम संवत्** | 825 ईस्वी | मालाबार में आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित |
| **लक्ष्मण संवत्** | 1190 ईस्वी | सेन वंश (बंगाल) के लक्ष्मण सेन |
| **इलाही संवत्** | 1583 ईस्वी | मुगल सम्राट अकबर द्वारा प्रारम्भ |

## महत्वपूर्ण वंश, संस्थापक एवं राजधानी

| **वंश** | **संस्थापक** | **राजधानी** |
|---|---|---|
| हर्यक वंश | बिम्बिसार | राजगृह, पाटलिपुत्र |
| शिशुनाग वंश | शिशुनाग | वैशाली, पाटलिपुत्र |
| नंद वंश | महापद्मनंद | पाटलिपुत्र |
| मौर्य वंश | चन्द्रगुप्त मौर्य | पाटलिपुत्र |
| शुंग वंश | पुष्यमित्र शुंग | पाटलिपुत्र |
| कण्व वंश | वासुदेव | पाटलिपुत्र |
| सातवाहन वंश | सिमुक | पैठन / प्रतिष्ठान |

| | | |
|---|---|---|
| चेदि वंश | महामेघवाहन | सोत्थीवती/सुक्तिमती |
| इंडो-ग्रीक वंश | डेमेट्रियस | सियालकोट |
| कुषाण वंश | कुजुल कडफिसस | पुरुषपुर |
| कदंब वंश | मयूरशर्मन | बनवासी, बेलगाम |
| गंग वंश | माधव प्रथम | कोलार |
| गुप्त वंश | श्रीगुप्त | पाटलिपुत्र |
| मौखरी वंश | ईशानवर्मन | कन्नौज |
| हूण वंश | तोरमाण | सियालकोट |
| पुष्यभूति वंश | पुष्यभूति / नरवर्धन | थानेश्वर, कन्नौज |
| कर्नाट वंश | नान्यदेव | सिमरौंगढ़ |
| पाल वंश | गोपाल | मुंगेर |
| सेन वंश | सामंतसेन | गौड़ / लखनौती |
| राष्ट्रकूट वंश | दंतिवर्मन | मान्यखेत |
| गुर्जर-प्रतिहार वंश | नागभट्ट प्रथम / हरिश्चंद्र | कन्नौज |
| कलचुरी-चेदि वंश | कोक्कल्ल प्रथम / वामराज | त्रिपुरी |
| परमार वंश | कृष्णराज / उपेन्द्र | धार |
| सोलंकी वंश | मूलराज प्रथम | अन्हिलवाड़ |
| चंदेल वंश | नन्नुक / चन्द्रवर्मा | महोबा, खजुराहो |
| होल्कर वंश | मल्हार राव होल्कर | इंदौर |
| गहड़वाल वंश | चंद्रदेव | कन्नौज |
| चौहान वंश | वासुदेव | अजमेर |
| तोमर वंश | अनंगपाल | दिल्ली |
| चालुक्य वंश (बादामी/वातापी) | पुलकेशिन प्रथम | बादामी |
| चालुक्य वंश (कल्याणी) | तैलप द्वितीय | मान्यखेत |
| चालुक्य वंश (वेंगी) | विष्णुवर्धन | वेंगी, कांचीपुरम |
| पल्लव वंश | सिंहविष्णु | तंजावुर |
| चोल वंश | विजयालय | तंजावुर/तंजौर |
| गुलाम (दास) वंश | कुतुबुद्दीन ऐबक | दिल्ली |
| खिलजी वंश | जलालुद्दीन खिलजी | दिल्ली |
| तुगलक वंश | गयासुद्दीन तुगलक | दिल्ली |
| सैयद वंश | खिज्र खान | दिल्ली |
| लोदी वंश | बहलोल लोदी | दिल्ली |
| संगम वंश | हरिहर एवं बुक्का | विजयनगर |
| सालुव वंश | नरसिंह | विजयनगर |
| तुलुव वंश | वीर नरसिंह | पेनुकोंडा |

| | | |
|---|---|---|
| अराविदु वंश | तिरुमल | गुलबर्गा (बीदर) |
| बहमनी वंश | हसन गंगू | अहमदनगर |
| निजामशाही वंश | मलिक अहमद | बीजापुर |
| आदिलशाही वंश | आदिल शाह | बरार |
| इमादशाही वंश | फतह-उल्ला-इमाद-उल-मुल्क | गोलकुंडा |
| कुतुबशाही वंश | कुली कुतुब शाह | गोलकुंडा |
| शर्की वंश | मलिक-उल-शर्क/मलिक सरवर | जौनपुर |
| मुगल वंश | बाबर | दिल्ली / आगरा |
| हैदराबाद निजाम वंश | निजाम-उल-मुल्क | हैदराबाद |
| सिंधिया वंश | राणोजी सिंधिया | ग्वालियर |

## <u>महत्वपूर्ण युद्ध और लड़ाइयाँ</u>

| युद्ध का नाम | वर्ष/समयावधि | परिणाम / विजेता |
|---|---|---|
| दशराज्ञ युद्ध | ऋग्वेदिक काल | भरत जन के राजा एवं दस जनजातियों के संघ ने विजय प्राप्त की |
| हाइडेस्पीज का युद्ध | 326 ईसा पूर्व | सिकंदर ने राजा पोरस को पराजित किया |
| कलिंग युद्ध | 261 ईसा पूर्व | अशोक ने कलिंग (महापद्मनाभ) को पराजित किया |
| रेवा का युद्ध | 612 ईस्वी | पुलकेशिन द्वितीय ने हर्ष को पराजित किया |
| तक्कोलम / पेशावर का युद्ध | 1001 ईस्वी | राष्ट्रकूटों ने चोलों को पराजित किया |
| तराइन का प्रथम युद्ध | 1191 ईस्वी | पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गौरी को पराजित किया |
| तराइन का द्वितीय युद्ध | 1192 ईस्वी | मोहम्मद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान को पराजित किया |
| चंदावर का युद्ध | 1194 ईस्वी | मोहम्मद गौरी ने जयचंद को पराजित किया |
| तराइन का तृतीय युद्ध | 1215 ईस्वी | इल्तुतमिश ने यल्दौज़ को पराजित किया |
| सर-ए-पुल का युद्ध | 1501 ईस्वी | समरकंद के शैबानी खान ने बाबर को पराजित किया |
| खतोली का युद्ध | 1517 ईस्वी | राणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया |
| पानीपत का प्रथम युद्ध | 1526 ईस्वी | बाबर ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया |
| खानवा का युद्ध | 1527 ईस्वी | बाबर और राणा सांगा के बीच जिसमें बाबर विजयी हुआ |
| चंदेरी का युद्ध | 1528 ईस्वी | बाबर ने मेदिनी राय को पराजित किया |
| घाघरा का युद्ध | 1529 ईस्वी | बाबर ने अफगानों को पराजित किया |
| दोहरिया/देवरा का युद्ध | 1532 ईस्वी | हुमायूँ ने महमूद लोदी को पराजित किया |
| चौसा का युद्ध | 1539 ईस्वी | शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को पराजित किया |
| कन्नौज का युद्ध | 1540 ईस्वी | शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को पराजित किया |
| मच्छीवाड़ा का युद्ध | 1555 ईस्वी | हुमायूँ ने नसीब खान को पराजित किया |
| सरहिंद का युद्ध | 1555 ईस्वी | हुमायूँ ने सिकंदर सूरी को पराजित किया |
| पानीपत का द्वितीय युद्ध | 1556 ईस्वी | अकबर ने हेमू को पराजित किया |
| तालीकोटा का युद्ध | 1565 ईस्वी | बहमनी सल्तनत ने विजयनगर साम्राज्य को पराजित किया |

| | | |
|---|---|---|
| हल्दीघाटी का युद्ध | 1576 ईस्वी | अकबर ने महाराणा प्रताप को पराजित किया |
| धर्मत का युद्ध | 1658 ईस्वी | औरंगजेब ने दारा शिकोह को पराजित किया |
| सामूगढ़ का युद्ध | 1658 ईस्वी | औरंगजेब ने दारा शिकोह को पराजित किया |
| खेड़ा का युद्ध | 1707 ईस्वी | छत्रपति शाहू ने ताराबाई को पराजित किया |
| भोपाल का युद्ध | 1737 ईस्वी | बाजीराव ने हैदराबाद के निजाम को पराजित किया |
| प्रथम कर्नाटक युद्ध | 1744–1748 ईस्वी | फ्रांसीसियों ने अंग्रेजों को पराजित किया |
| प्लासी का युद्ध | 1757 ईस्वी | अंग्रेजों ने सिराज-उद-दौला को पराजित किया |
| बेदरा का युद्ध | 1759 ईस्वी | अंग्रेजों ने डचों को पराजित किया |
| वांडीवाश का युद्ध | 1760 ईस्वी | अंग्रेजों ने फ्रांसीसियों को पराजित किया |
| पानीपत का तृतीय युद्ध | 1761 ईस्वी | अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को पराजित किया |
| बक्सर का युद्ध | 1764 ईस्वी | अंग्रेजों ने मीर कासिम, शुजा-उद-दौला और शाह आलम द्वितीय को पराजित किया |
| चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध | 1799 ईस्वी | अंग्रेजों ने टीपू सुल्तान को पराजित किया |
| कोरेगांव का युद्ध | 1818 ईस्वी | अंग्रेजों ने मराठों को पराजित किया |

## मध्यकालीन इतिहास

## दिल्ली सल्तनत (1206-1526)

| वंश एवं काल | प्रमुख शासक | प्रमुख विशेषताएँ / उपलब्धियाँ |
|---|---|---|
| **गुलाम (मामलुक) वंश (1206–1290 ई.)** | कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रज़िया सुल्तान, बलबन, कैकुबाद, शम्सुद्दीन क्युमर्स | ➢ कुतुबुद्दीन ऐबक ने वंश की स्थापना की; कुतुब मीनार की नींव रखी।<br>➢ इल्तुतमिश: दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक; तुर्कान-ए-चहलगानी (चालीसा दल) की स्थापना।<br>➢ रज़िया: पहली एवं एकमात्र महिला शासक।<br>➢ बलबन: “रक्त और लोहा” नीति; पैबोस एवं सिजदा प्रथा; राजसत्ता के दैवीय सिद्धांत पर बल।<br>➢ कैकुबाद: वंश का अंतिम महत्वपूर्ण शासक। |
| **खिलजी वंश (1290–1320 ई.)** | जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी, मुबारक खिलजी | ➢ जलालुद्दीन: संस्थापक।<br>➢ अलाउद्दीन: अलाई दरवाजा, सीरी किला, हज़ार खंभा महल, जामा मस्जिद का निर्माण; बाज़ार नियंत्रण नीति, स्थायी सेना, सैनिक वर्दी, घोड़ों पर दाग प्रथा।<br>➢ मुबारक: स्वयं को खलीफा घोषित किया; वंश का अंतिम शासक। |
| **तुगलक वंश (1320–1414 ई.)** | गयासुद्दीन तुगलक, मुहम्मद बिन तुगलक, फिरोज शाह तुगलक | ➢ गयासुद्दीन: संस्थापक।<br>➢ मुहम्मद बिन तुगलक: अत्यंत विद्वान; अरबी-फारसी का ज्ञाता; चिकित्सक; होली मनाने वाला प्रथम सुल्तान; विचित्र योजनाओं के कारण “पागल” या “रक्तपिपासु” कहा गया।<br>➢ फिरोज शाह तुगलक: सर्वाधिक नहरों का निर्माण; सती प्रथा पर रोक; जौनपुर की स्थापना। |